ToB बालमंच

मासिक मई -2021 नन्हीं कलम से .... ✍

वार्षिकांक

इस अंक में पढ़ें

क्यों आते हैं चक्रवात?

प्रधान सम्पादक :- रूबी कुमारी
उ. म. वि. सरौनी, बौंसी (बाँका)

अंक – 12

संपादक :- त्रिपुरारि राय
म. वि. रौटी, महिषी (सहरसा)

प्रधान संपादिका के कलम से....

प्यारे बच्चों ,

बाल कलाकारों के उत्कृष्ट क्रियाकलापों, रचनाओं, गतिविधियों को समर्पित "ToB बालमंच" का वार्षिकांक अर्थात 12 वां अंक प्रकाशित करते हुए हमें अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है।

यह अंक हमारे लिए बेहद खास है क्योंकि हमारी मेहनत और आपका लगन अब एक वर्ष पूरे करने जा रहा है।हमने लगातार 12 महीनों तक आप से मधुर संबंध बनाते हुए कोविड-19 जैसे विकट परिस्थितियों को भी धूल चटाया है।

बच्चों यह जानकर आपको बेहद खुशी होगी कि आपके ईमैग्जीन की सराहना बिहार के माननीय शिक्षा मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी जी भी कर चुके हैं। आपकी कृतियां अब बिहार ही नहीं देश के दूसरे राज्य भी देख रहे हैं। यह वार्षिकांक ना सिर्फ हमारे लिए बल्कि जिन जिन बच्चों ने इस में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है सभी के लिए गौरव स्वरूप है।

आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आप सब टीचर्स ऑफ बिहार के "स्कूल ऑन मोबाइल" फेसबुक समूह से जुड़कर लाइव कक्षाओं का आनंद अवश्य लेते होंगे।बच्चों, टीचर्स ऑफ बिहार ने एक और अनोखी पहल आपके लिए किया है, जिसका नाम है " लॉकडाउन में लर्निंग "। इस कार्यक्रम के अंतर्गत आप डांस , म्यूजिक, पेंटिंग, कोडिंग ,स्पोकन इंग्लिश, साइंस इज फन, योग आदि कई सहशैक्षिक गतिविधियों को सीख सकते हैं। इसके बारे में विशेष जानकारी के लिए आप गूगल पर सर्च करें - www.teachersofbihar.org

यह वार्षिकांक आपको कैसा लगा? आपके मन की बातों को आप ईमेल या व्हाट्सएप के माध्यम से अवश्य भेजें। हम इसे भी बालमन नामक स्थाई स्तंभ के रूप में प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

हमारे नन्हे-मुन्ने बच्चों तथा बालमंच की उज्जवल भविष्य की कामना के साथ......

रूबी कुमारी
प्रधान संपादिका
बालमंच,नन्हीं कलम से....

सम्पादकीय

प्यारे बच्चों,

नमस्कार,

'ToB बालमंच' का वार्षिकांक आप लोगों को समर्पित करते हुए हमें काफी प्रसन्नता हो रही है| आज हम एक साल की पारी पूरी कर चुके हैं| आप सभी बच्चों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं टीचर्स ऑफ बिहार के सभी सदस्यों के साथ हम बालमंच के पूरी टीम को हार्दिक शुभकामना और बधाई देते हैं| बच्चों यह ToB बालमंच नहीं होता यदि आप यहाँ नहीं होते| यह ToB बालमंच सिर्फ और सिर्फ आपका है और इस पर आप सबों का पूरा-पूरा अधिकार है| अतः आगे भी आप लोग इसी तरह से अपनी कला का प्रदर्शन करते रहें| हम आपको वचन देते हैं कि आपके प्रतिभा को लेकर यहाँ कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा| हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि यह पत्रिका सिर्फ बिहार ही नहीं एक दिन संपूर्ण भारत के बच्चों का एक अपना मंच होगा जहाँ व ह अपनी कला का प्रदर्शन सतत करते रहेंगे| टीचर्स ऑफ़ बिहार के विशाल वटवृक्ष के नीचे यह आप सबों का एक बसेरा साबित हो इसी शुभकामना के साथ हम आप सभी का हार्दिक अभिनंदन करते हैं| धन्यवाद|

त्रिपुरारि राय,
सम्पादक, ToB बालमंच
स. शिक्षक- मध्य विद्यालय रौटी,
महिषी, सहरसा (बिहार)

प्रेरक प्रसंग

"उसको तो फर्क पड़ता है....."

एक बार समुद्री तूफान के बाद हजारों लाखों मछलियां किनारे रेत पर तड़प- तड़प कर मर रही थी। इस भयानक स्थिति को देखकर पास में रहने वाले एक 6 वर्ष के बच्चे से रहा नहीं गया और वह एक -एक मछली उठाकर समुद्र में वापस फेंकने लगा। यह देखकर उसकी मां तड़प उठी और बोली, बेटा लाखों की संख्या में है तू कितनों की जान बचा पाएगा। यह सुनकर बच्चे ने अपनी गति और बढ़ा दिया। मां फिर बोली बेटा रहने दे कोई फर्क नहीं पड़ता! बच्चा जोर- जोर से रोने लगा और एक मछली को समुद्र में फेंकते हुए जोर से बोला, मां "इसको तो फर्क पड़ता है"।

दूसरी मछली उठाता और फिर बोलता मां "इसको तो फर्क पड़ता है".......! मां ने बच्चे को सीने से लगा लिया! हो सके तो लोगों को हमेशा "हौंसला और उम्मीद" देने की कोशिश करें, ना जाने कब आपकी वजह से किसी की जिंदगी बदल जाए!

क्योंकि आपको कोई फर्क नहीं पड़ता पर "उसको तो फर्क पड़ता है".............

विकास कुमार
म.वि. महिसरहो, महिषी
(सहरसा)

सम्पादक मंडल

प्रधान संपादिका:- रूबी कुमारी, उ. म. वि. सरौनी, बौंसी (बाँका)

सम्पादक एवं ग्राफिक्स डिजाइनर :- त्रिपुरारि राय, म. वि. रौटी, महिषी (सहरसा)

सह-संपादिका :- ज्योति कुमारी, म.वि. भनरा, (बाँका)

प्रूफ रीडर:- विकास कुमार, म.वि.महिसरहो,महिषी (सहरसा)

सहयोगकर्ता ;-
1. मृत्युंजयम् , म.वि.नवाबगंज, समेली, (कटिहार)
2. रंजेश कुमार, प्रा. वि. छुरछुरिया. फारबिसगंज (अररिया)

संरक्षक:-
1. शिव कुमार, संस्थापक- टीचर्स ऑफ़ बिहार
2. ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन, तकनीकी टीम

-: स्थाई स्तंभ :-

1. प्रधान सम्पादक की कलम से
2. सम्पादकीय
3. आवरण कथा
4. कविता
5. कहानी
6. हँसो रे बाबू
7. बूझो तो जानें
8. वैज्ञानिक कारण
9. कहानी बनाओ प्रतियोगिता
10. अखबारों की नजर में हम
11. उभरते सितारे
12. तकनीकी कोना
13. बालमन
14. विद्यालयी क्रियाकलाप
15. क्या आप जानते हैं ?
16. अंग्रेजी सीखें
17. ड्राइंग / पेंटिंग
18. उभरते सितारे
19. फोटो ऑफ़ द मंथ
20. हिंदी ज्ञान
21. प्रमुख दिवसें
22. प्रेरक प्रसंग
23. रोचक तथ्य
24. खेल-खेल में योग
25. तुम भी बनाओ.....
26. आपकी बात आपकी जुबानी

शुभकामना संदेश

"टीचर्स ऑफ बिहार " के द्वारा प्रकाशित बालमंच पत्रिका को मैंने पूरे मनोयोग से पढ़ा और मनन किया। मैंने पाया कि यह पत्रिका गुरु-शिष्यों का एक साझा मंच है, जहां अगर गुरुओं को कुछ समझने का अवसर प्राप्त होता है ,वहीं शिष्यों को अपने अंदर के छिपे प्रतिभा को प्रदर्शित करने का स्वर्णिम अवसर प्राप्त होता है। आज के इस विकट काल में पत्रिका की उपयोगिता और अधिक बढ़ गई है।

मैं इस पत्रिका के समस्त संपादक मंडल एवं प्रकाशक टीचर्स ऑफ बिहार को हार्दिक बधाई देते हुए भविष्य में पत्रिका के सफल संचालन की कामना करता हूं।

दीपनारायण सिंह
प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी,
प्र0-ढाका ,(पूर्वी चंपारण)

बहुत ही सुन्दर प्रयास है आपलोगो का | आपके पुरे टीम को इस प्रस्तुति के लिए बहुत आभार एवं बधाई | बच्चों के लिए बहुत उपयोगी एवं प्रेरणादायक है बालमंच का यह अंक | बच्चों में लिखने एवं चित्रण करने की भावना जागृत होगी |

इससे उन्हें बहुत प्रोत्साहन मिलेगा | बधाई एवं शुभकामनाएँ.........

ज्ञान ज्योति भट्ट
सेवानिवृत चीफ मेनेजर,
बैंक ऑफ़ इंडिया, पटना

टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा प्रकाशित बाल मंच पत्रिका के इस अंक में आप सभी का स्वागत है। आपके उत्साहवर्धन और पत्रिका की प्रतीक्षा हमसबों में दुगूने ऊर्जा का संचालन कर देता है जिस कारण हर अगला अंक बेहतर ढंग से प्रकाशित करने की हर संभव कोशिश की जाती है। इस अंक में भी बच्चों के क्रियाकलापों से जुड़े कई स्तंभ हैं जिसे देखकर और पढ़कर सभी आनंद विभोर हो जाएंगे। उम्मीद है कि यह पत्रिका भी आप सभी को बहुत-बहुत पसंद आएगी। इन्हीं शुभकामनाओं के साथ......

विजय बहादुर सिंह
टीम लीडर
ब्लॉग और राईटर्स

बूझो तो जानें

पहेली 1 :- काली है पर काग नहीं, लम्बी है पर नाग नहीं। बल खाती है ढोर नहीं, बाँधते हैं पर डोर नहीं।

पहेली 2 :- लाल - पानी पीती है, काले वन की रानी है।

उत्तर अगले अंक में .....

पिछले अंक का उत्तर- नारियल. छाया

क्या आप जानते हैं?

- क्या आप जानते हैं कि टीचर्स ऑफ़ बिहार ग्रुप के द्वारा सरकारी विद्यालय के बच्चों के लिए ऑनलाइन क्लासेस 23 अप्रैल,2021 से ही प्रारंभ है?

- क्या आप जानते हैं कि पांचवी से दसवीं के बच्चों के लिए प्रतिदिन 22 शिक्षक अपराहन 1:00 बजे से 4:30 तक कक्षाएं लेते हैं? दो समूह में चलने वाली इन कक्षाओं में कुल 50 से भी अधिक शिक्षक शामिल हैं।

- क्या आप जानते हैं कि इसके लिए फेसबुक पर एक अलग से ग्रुप का निर्माण किया गया जहां 3000 बच्चे जुड़कर इसका लाभ उठा रहे हैं।

आइए, टीचर्स ऑफ बिहार के 'स्कूल ऑन मोबाइल' (SoM) फेसबुक ग्रुप से जरूर जुड़े और ज्यादा से ज्यादा बच्चों को जोड़ने में मदद करें|

www.tinyurl.com/SchoolonMobile

कहानी बनाओ प्रतियोगिता

दिए गए चित्र को देखें और उसपर एक सुन्दर सा कहानी लिख कर हमें भेजें| उत्कृष्ट कहानी को टीचर्स ऑफ़ बिहार के तरफ से पुरष्कृत किया जाएगा | कहानी के साथ अपना पूरा पता और फोन नम्बर अवश्य दें |

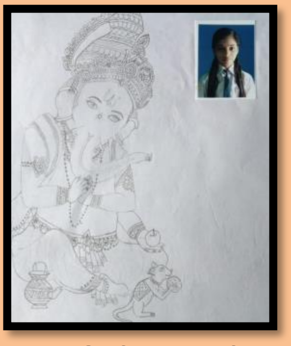

विनीता कुमारी, उ.म.वि. बेंगहा, सहरसा

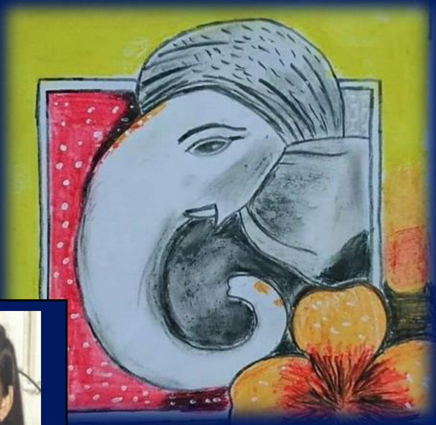

दीक्षा स्वप्निल

RUHI KUMARI

CHAITANYA PARTH SARTHI

ASTHA DIPALI

विद्यालयी गतिविधि

Abhilash Kumar, Class- 5th, P.S. Chauhan Tola, Jharkaha, Ramghat, Narpatganj, Araria

अंग्रेजी सीखें

By- T. Roy

CASE

Cases indicate the grammatical functions of nouns and pronouns according to their relation with rest of the words in a sentence.

Example:

- Robin is always hungry for success.
- I love her very much.
- He is running fast.
- Alex works hard.
- He wrote that willingly.

TYPES OF ADJECTIVE

In modern English, there are only three kinds of cases.

- Subjective Case
- Objective Case
- Possessive Case

SUBJECTIVE CASE (Nominative Case)

When a noun or a pronoun works as a subject in the sentence, a subjective case appears.

Example:

- Louis works in the management.
- He works very hard for the company.
- I love to watch movies in my free time.
- Reading is a very good habit.

OBJECTIVE CASE

When a noun or a pronoun works as an object in the sentence, an objective case appears.

Example:

- Robert does not eat burgers.
- He loves pizza.
- Robert told me that.
- Alex follows Robert.

POSSSESSSIVE CASE

Possessive cases indicate a relationship of possession or belongingness between two nouns or a noun and a pronoun.

....to be continued

मौसमी कुमारी, उ.म.वि.सिलौटा,भभुआ,कैमूर

आस्था
विकास

अंशु कुमारी

ANURAG

प्रखर

श्रेयशी झा,
(उम्र-5+ Years)
आपलोग भी जुड़े विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर।
"जागेगा विचार तभी दूर होगा माहवारी का अंधकार..."
आओ बात करें......
झिझक तोड़े

फोटो ऑफ़ द मंथ

तकनीकी कोना......... ई. शिवेंद्र सुमन

ई-लॉट्स लाइब्रेरी ऑफ टीचर्स एंड स्टूडेंट्स बिहार शिक्षा विभाग की अनूठी पहल है जिसमें 1 से लेकर 12 तक के बच्चों के लिए पुस्तक वीडियो एवं स्व मूल्यांकन की व्यवस्था की गई है। इसमें विद्यार्थी अपने-अपने विषय की प्रत्येक पाठ का अध्ययन कर सकते हैं, उससे संबंधित वीडियोज़ को भी देख सकते हैं एवं अपना स्व मूल्यांकन भी कर सकते हैं। इस पोर्टल की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यहां बच्चे विषय विशेषज्ञों से डिस्कशन फोरम के अंतर्गत प्रश्न भी पूछ सकते हैं। इस पोर्टल और ऐप में पढ़ने एवं स्व-मूल्यांकन के लिए लॉगिन की आवश्यकता नहीं है किंतु यदि आप प्रश्न पूछना चाहते हैं तो आपको लॉगिन करना पड़ेगा। इस पोर्टल के लॉन्चिंग के साथ बिहार देश में पहला राज्य बन गया है जिसमें अपनी रिपोजिटरी खुद बनाई।

Website:bepclots.bihar.gov.in

Mobile App: http://bit.ly/3uwZKL7

AKSHARA

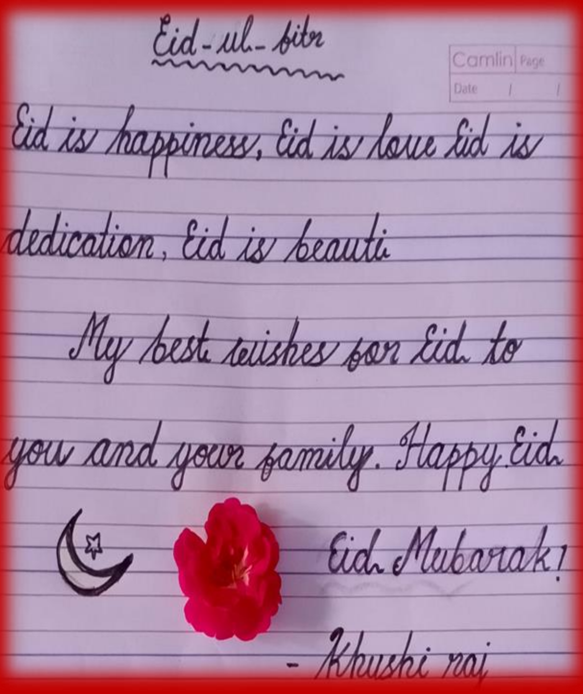

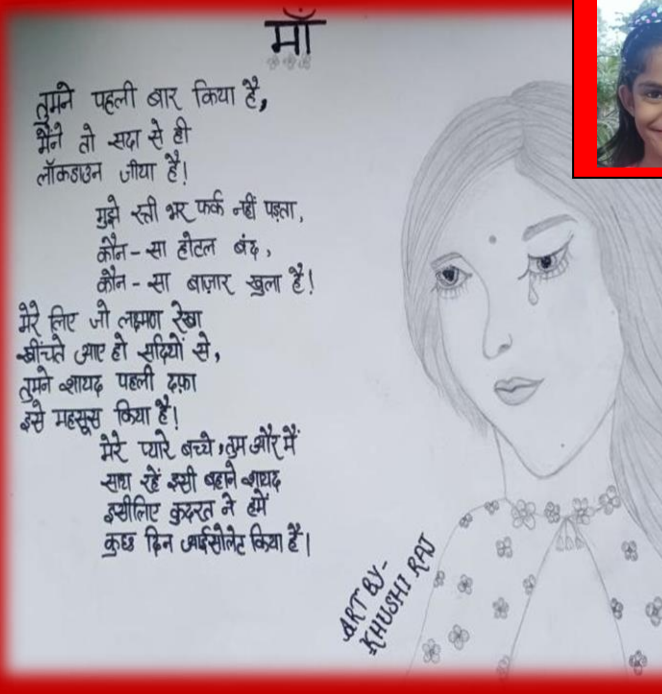

अंशी प्रिया, नरपतगंज, अररिया

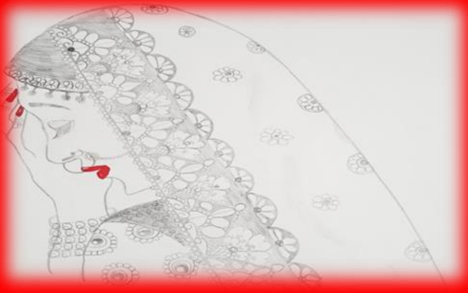

तुम भी बनाओ..........

बच्चों,

पेपर से भगवान् बुद्ध का मास्क कैसे बनाएँ, इसके लिए आप फेसबुक पर मृत्युंजयम आर्या के इस लिंक पर दिए गए वीडिओ को देखें और आप भी घर में खुद से बनाने का प्रयास करें - https://www.facebook.com/groups/1907206889337788/permalink/4143444429047345/

धन्यवाद |

TEACHERS OF BIHAR

The change makers....

वैज्ञानिक कारण

क्यों आते हैं चक्रवात ?

पृथ्वी के वायुमंडल में हवा होती है | समुद्र के ऊपर भी जमीन की तरह ही हवा होती है | हवा हमेशा उच्च दाब से निम्न दाब वाले क्षेत्र की ओर बहती है | जब हवा गर्म हो जाती है तो हल्की हो जाती है और ऊपर उठने लगती है | जब समुद्र का पानी गर्म होता है तो इसके ऊपर मौजूद हवा भी गर्म हो जाती है और ऊपर उठने लगती है | इस जगह पर निम्न दाब का क्षेत्र बनने लगता है | आसपास मौजूद ठंडी हवा इस निम्न दाब वाले क्षेत्र को भरने के लिए इस तरफ बढ़ने लगती है| लेकिन पृथ्वी अपनी धुरी पर लट्टू की तरह घूमती रहती है | इस वजह से यह हवा की दिशा में ना आकर घूमने लगती है और चक्कर लगाती हुई दुसरे जगह की ओर आगे बढ़ती है | इसे चक्रवात कहते हैं | चक्रवात तेजी से घूमती हवा होती है लेकिन इसका मध्य विंदु हमेशा रिक्त होता है क्योंकि घूमती हुई हवा उस बिंदु के चारों ओर घूमती है लेकिन उस बिंदु तक नहीं पहुंचते, इसे चक्रवात की आंख कहते हैं | जो हवा गर्म होकर ऊपर उठती है उसमें नमी होती है इसलिए चक्रवात में तेज हवाओं के साथ बारिश भी होती है | चक्रवात घूमते हुए आगे बढ़ता है और जब समुद्र के तट से टकराता है तो कमजोर पड़ने लगता है | इसका कारण जमीन पर हवा का उच्च दाब होना है | चक्रवात की दिशा का अनुमान लगाया जाता है लेकिन चक्रवात का रास्ता निश्चित नहीं किया जा सकता |कई बार चक्रवात अपना रास्ता तट से टकराने से पहले हवा के दबाव के चलते बदल जाते हैं |

-: प्रस्तुतकर्ता :-

त्रिपुरारि राय
मध्य विद्यालय रौटी, महिषी (सहरसा)

हंसो रे बाबू

सामान्य ज्ञान

1. सीबीआई के नए डायरेक्टर के रूप में किसे नियुक्त किया गया है?

उत्तर : सुबोध जायसवाल

2. राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में सर्वसम्मति से किसे पार्टी का नया अध्यक्ष चुना गया है?

उत्तर : जयंत चौधरी

3. किस हॉकी स्टेडियम का नाम बदलकर महान ओलम्पियन बलबीर सिंह सीनियर के नाम पर रख दिया गया गया है?

उत्तर : मोहाली अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम

4. पाकिस्तान के पूर्व फास्ट बॉलर मोहम्मद आमिर ने कैरेबियन प्रीमियर लीग में पहली बार खेलने के लिए किस टीम के साथ करार किया है?

उत्तर : बारबाडोस ट्राइडेंट्स

5. केन्या देश की संसद ने सुप्रीम कोर्ट की पहली महिला चीफ जस्टिस के रूप में किसे नियुक्त किया है?

उत्तर : जस्टिस मार्था कूम

6. चीनी इंजीनियरिंग अकादमी के सदस्य एवं कृषि विज्ञानी का निधन हो गया है उनका नाम क्या था?

उत्तर : युआन लॉन्गपिंग

7. पालतू प्रजातियों के संरक्षण की व्यक्तिगत श्रेणी में भारत जैव विविधता पुरस्कार 2021 से किसे सम्मानित किया गया है?

उत्तर : शाजी एनएम (केरल)

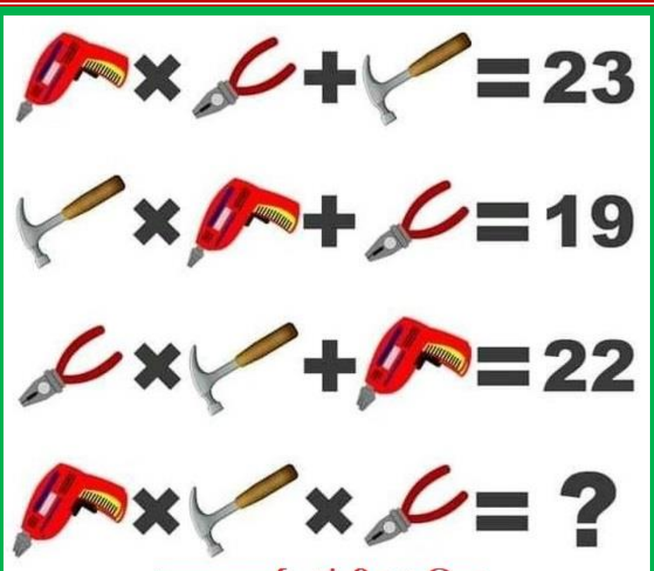

प्रस्तुतकर्ता:- संजीव भाटिया

सूचना:- आप भी अपने विद्यालय के बच्चों को प्रोत्साहित कर उनसे उनकी छिपी हुई प्रतिभा को कला के माध्यम से सामने लाकर हमें भेजें | चुने हुए विधा, यथा- कविता, कहानी, चित्रकारी, चुटकुले, पहेली आदि को 'ToB बालमंच' पत्रिका में स्थान दिया जाएगा |

बच्चों की चुनिन्दा रचनाएँ हमारे इमेल- balmanch.teachersofbihar@gmail.com पर या **Whatsapp No- 62028 39650** पर भेजें | आप टेलीग्राम ग्रुप https://t.me/joinchat/1933vhvzywkxNjQ1 से भी जुड़ कर बच्चों की रचनाएँ भेज सकते हैं, और हाँ बच्चों की रचना के साथ उनका नाम, वर्ग और विद्यालय का नाम लिखना ना भूलें|

शुभकामना सहित |

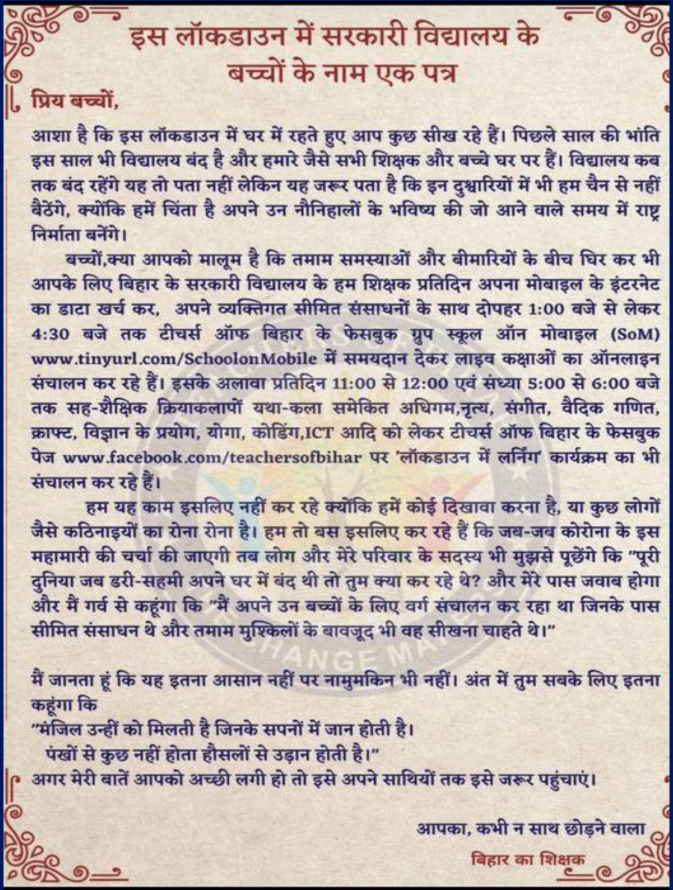

इस लॉकडाउन में सरकारी विद्यालय के बच्चों के नाम एक पत्र

प्रिय बच्चों,

आशा है कि इस लॉकडाउन में घर में रहते हुए आप कुछ सीख रहे हैं। पिछले साल की भांति इस साल भी विद्यालय बंद है और हमारे जैसे सभी शिक्षक और बच्चे घर पर हैं। विद्यालय कब तक बंद रहेंगे यह तो पता नहीं लेकिन यह जरूर पता है कि इन दुश्वारियों में भी हम चैन से नहीं बैठेंगे, क्योंकि हमें चिंता है अपने उन नौनिहालों के भविष्य की जो आने वाले समय में राष्ट्र निर्माता बनेंगे।

बच्चों,क्या आपको मालूम है कि तमाम समस्याओं और बीमारियों के बीच घिर कर भी आपके लिए बिहार के सरकारी विद्यालय के हम शिक्षक प्रतिदिन अपना मोबाइल के इंटरनेट का डाटा खर्च कर, अपने व्यक्तिगत सीमित संसाधनों के साथ दोपहर 1:00 बजे से लेकर 4:30 बजे तक टीचर्स ऑफ बिहार के फेसबुक ग्रुप स्कूल ऑन मोबाइल (SoM) www.tinyurl.com/SchoolonMobile में समयदान देकर लाइव कक्षाओं का ऑनलाइन संचालन कर रहे हैं। इसके अलावा प्रतिदिन 11:00 से 12:00 एवं संध्या 5:00 से 6:00 बजे तक सह-शैक्षिक क्रियाकलापों यथा-कला समेकित अधिगम,नृत्य, संगीत, वैदिक गणित, क्राफ्ट, विज्ञान के प्रयोग, योगा, कोडिंग,ICT आदि को लेकर टीचर्स ऑफ बिहार के फेसबुक पेज www.facebook.com/teachersofbihar पर 'लॉकडाउन में लर्निंग' कार्यक्रम का भी संचालन कर रहे हैं।

हम यह काम इसलिए नहीं कर रहे क्योंकि हमें कोई दिखावा करना है, या कुछ लोगों जैसे कठिनाइयों का रोना रोना है। हम तो बस इसलिए कर रहे हैं कि जब-जब कोरोना के इस महामारी की चर्चा की जाएगी तब लोग और मेरे परिवार के सदस्य भी मुझसे पूछेंगे कि "पूरी दुनिया जब डरी-सहमी अपने घर में बंद थी तो तुम क्या कर रहे थे? और मेरे पास जवाब होगा और मैं गर्व से कहूंगा कि "मैं अपने उन बच्चों के लिए वर्ग संचालन कर रहा था जिनके पास सीमित संसाधन थे और तमाम मुश्किलों के बावजूद भी वह सीखना चाहते थे।"

मैं जानता हूं कि यह इतना आसान नहीं पर नामुमकिन भी नहीं। अंत में तुम सबके लिए इतना कहूंगा कि

"मंजिल उन्हीं को मिलती है जिनके सपनों में जान होती है।
पंखों से कुछ नहीं होता हौसलों से उड़ान होती है।"

अगर मेरी बातें आपको अच्छी लगी हो तो इसे अपने साथियों तक इसे जरूर पहुंचाएं।

आपका, कभी न साथ छोड़ने वाला

बिहार का शिक्षक

स्वाति कुमारी, म.वि. योगिया, परवलपुर

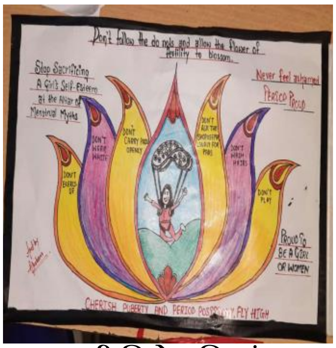

माहवारी विशेष चित्रांकन, अक्षरा, वर्ग-10

मानसी मणि

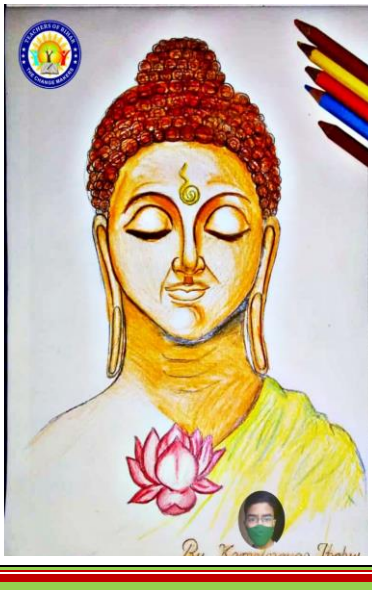

बछेंद्री पाल जी के द्वारा एवरेस्ट शिखर पर भारतीय ध्वज फहराने के दिवस के अवसर पर एवरेस्ट शिखर एवं हिमालय की चोटियों का चित्रांकन। चित्रांकन - प्रखर कुमार घोष, वर्ग- VIII, केंद्रीय विद्यालय, अरमापुर, कानपुर (उ.प्र.)

अखबारों के नजर में हम

ब्रीफ न्यूज

गौरवः टीचर्स ऑफ बिहार के टॉप दस राइटर्स में जिले के भवानंद सातवें स्थान पर, बढ़ाया अररिया का मान

भवानंद सिंह.

अररिया. टीचर्स ऑफ बिहार में टॉप टेन रायटर्स में सातवें स्थान प्राप्त करने वाले प्रखंड शिक्षक भवानंद सिंह रानीगंज प्रखंड क्षेत्र के मधुलता उत्क्रमित हाई स्कूल में कार्यरत हैं. जानकारी अनुसार भवानंद सिंह पिता स्व गोदी लाल सिंह सामाजिक विज्ञान के शिक्षक है. उनको शिक्षा व शिक्षण कार्य से प्रेम होने के साथ-साथ साहित्य लेखन के प्रति भी काफी दिलचस्पी है. इनकी रचनाओं में लघु कथा, कविता व कहानी प्रमुख हैं. इनकी रचनाओ को सभी वर्ग के लोगों को बहुत पसंद आती है. इनकी रचनाएं प्रेरणादायक, स्वस्थ समाज का निर्माण करने वाली, बच्चों से लेकर बड़ों तक चरित्र निर्माण, महान व्यक्तित्व, संपूर्ण मानवतावादी सोच से जुड़े होने के अलावा सामाजिक कुरीतियों जैसे कई विषयों पर प्रमुखता से वर्णित रहती है. उनकी प्रेरणादाई रचनाओं व शिक्षा में योगदान ने उन्हें टीचर्स ऑफ बिहार के टॉप दस राइटर्स में सातवें स्थान लाकर जिला को गौरवान्वित किया है. भवानंद की तीन रचनाएं जीवन का सार, जीवन एक संघर्ष व मानव काफी लोकप्रिय रही. इनकी उपलब्धियों के कारण विद्यालय के तमाम शिक्षकों, शिक्षक संघ व रानीगंज प्रखंड सहित जिला को गर्व है.

टीचर्स ऑफ बिहार एवं यूनिसेफ द्वारा एक साथ लेट्स टॉक ऑन पीरियड कार्यक्रम की आयोजित

फारबिसगंज:-विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस पर टीओबी द्वारा लैट्स टॉक कार्यक्रम आयोजित। टीचर्स ऑफ बिहार एवं यूनिसेफ द्वारा एक साथ लेट्स टॉक ऑन पीरियड कार्यक्रम आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में सोनिया मेनन, कम्युनिकेशन फ़ॉर डेवलपमेंट ऑफिसर, सुधाकर रेडी, वाश ऑफिसर, डॉक्टर संदीप घोष न्यूट्रीशन ऑफिसर, यूनिसेफ ने भाग लिया। इन सब ने यौन शिक्षा, माहवारी स्वच्छता प्रबंधन पर लोगों को जागरूक करते हुए बताया कि इस वर्ष कोरोना वायरस संक्रमण के प्रकोप के बीच इस दिवस का थीम "पीरियड्स इन पैनडेमिक" है।सहेली की पहेली नामक एक लघु फिल्म दिखा कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई ।मिस सोनिया मैडम द्वारा बताया गया कि इस कार्यक्रम को जनजागृति को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। हर उस व्यक्ति के लिए एक ऐसा मौका है जहां हम खुद जागरूक होकर समाज को भी जागरूक करने का काम करेंगे। हमें इसे एक त्यौहार के रूप में अपनाना है जिससे सब की चुप्पी टूटेगी और जो कुछ सामाजिक भ्रांतियां है वो भी दूर होंगी। वहीं सुधाकर रेड्डी द्वारा सैनेटरी पैड के स्वच्छता प्रबंधन संबंधित जानकारी साझा किया गया जिसमें उन्होंने एमएचएम फ्रेंडली शौचालय पर प्रकाश डाला। वही संदीप घोष ने मॉडरेटर नम्रता मिश्रा द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए खून की कमी से एनीमिया रोग पर भी व्यापक चर्चा किए ।

TEACHERS OF BIHAR

The Change Makers

दैनिक भास्कर 29.5.2021

दैनिक भास्कर अररिया 29-05-2021

हम खुद जागरूक होंगे, तभी समाज को जागरूक करेंगे : सोनिया मेनन

लेट्स टॉक ऑन पीरियड्स कार्यक्रम का वर्चुअली किया गया आयोजन

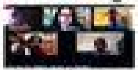

दैनिक भास्कर पूर्णियाँ भास्कर 29-05-2021

माहवारी में खून बहने से एनीमिया पर नहीं पड़ता प्रभाव

दैनिक भास्कर मुंगेर 29-05-2021

आयोजन • विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस पर टीओबी की ओर हुआ ऑनलाइन लेट्स टॉक कार्यक्रम

पीरियड्स के दौरान स्वच्छता को ले सतर्क रहने की जरूरत

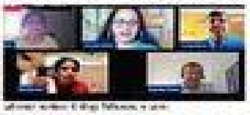

दैनिक भास्कर मुजफ्फरपुर 29-05-2021

माहवारी में लापरवाही से होती है बीमारी : सोनिया

कहा- गंदे कपड़े का इस्तेमाल बिल्कुल नहीं करें

विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस पर लेट्स टॉक कार्यक्रम का आयोजन

TOB NEWS

दैनिक भास्कर लखीसराय 29-05-2021

पीरियड्स के समय स्वच्छता का रखना चाहिए विशेष ध्यान

SCHOOL ON MOBILE

www.som.teachersofbihar.org

Bihar's first online class group for government school children

कविता:   सौर मंडल

आओ बच्चों पढ़ें यह पाठ,
ग्रहों की संख्या होती आठ।
इसके बारे में हम जाने,
सौरमंडल को पहचाने।
बुध है सबसे छोटा ग्रह,
इसका ना कोई उपग्रह।
शुक्र ग्रह सबसे गर्म और चमकीली,
पृथ्वी इसकी बहन अकेली।
नीली पृथ्वी भी है ग्रह,
चंद्रमा इसका उपग्रह।
अपने धूरी पर चक्कर काटे,
जिसके कारण दिन रात होते।
चौथा ग्रह मंगल है भाई,
यह लाल ग्रह कहलाई।
एक ग्रह बृहस्पति भी होता,
यह सबसे बड़ा ग्रह कहलाता ।
शनि जिसका आकार है गोला,
जिसे घेर रखे बड़ा सा छल्ला।
अरुण भी होता एक ग्रह,
जिसे कहते लेटा हुआ ग्रह।
जो सूर्य से सबसे दूर,
उसका नाम है वरुण।
सारे सूर्य के चक्कर काटे,
और अपने धूरी पर घूमे।
बड़ी निराली उनकी चाल,
चक्कर काटे सालों साल।

प्रस्तुतकर्ता :- नीभा सिंह ,
फारबिसगंज ,अररिया।

प्रिया कुमारी, प्रा. वि. सोनबरस, सहरसा

पलक कुमारी, वर्ग-10, हाई स्कूल टेनुआ, कल्याणपुर, पूर्वी चंपारण

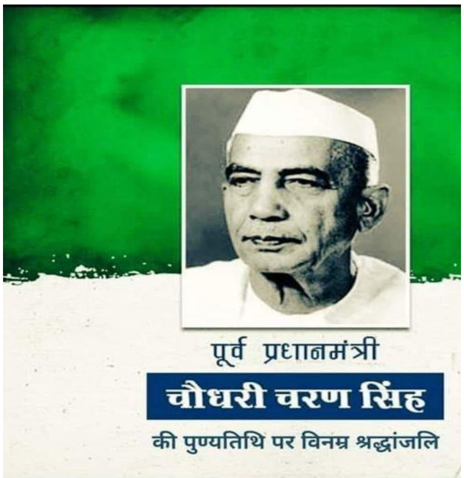

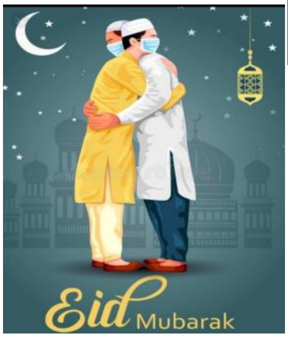

प्रितिका प्रिया, वर्ग-2, सीतामढी

केशव कुमाए प्रभाकर,वर्ग-2

आओ योग सीखें

हलासन-पीठ के बल लेट जायें, अब श्वास अंदर भरते हुए धीरे-धीरे पैरों को उठाएं पैर को सिर के पीछे की ओर पीठ को भी ऊपर उठाते हुए श्वास बाहर निकालते हुए पैरों को घुटनों से सीधा रखते हुए सिर के पीछे भूमि पर टिका दें।

लाभ-मेरुदंड को स्वस्थ एवं लचीला बनाकर पृष्ठ भाग की मांसपेशियों को भी विस्तृत एवं निरोग बनाता है।

धनुरासन-पेट के बल लेट जायें, दोनों हाथों से पैरों को टखनों के पास से पकड़े। नाभि एवं पेट के आसपास का भाग भूमि पर ही टिका रहे।शेष भाग ऊपर उठा होना चाहिए शरीर की आकृति डोरी तने हुए धनुष के समान हो जाएगी इस स्थिति में 10 से 20 सेकंड तक रहें।

लाभ-मेरुदंड को लचीला एवं स्वस्थ बनाता है, सूर्यकेंद्र (नाभि) टलना दूर करता है।

बालमन

मेरी प्रतिभा को जो पहचान बालमंच से ही मिली जो पहले नहीं थी| मैं बाल मंच की पूरी टीम को दिल से धन्यवाद देती हूँ|:- खुशी राज, कक्षा- 4, प्राथमिक विद्यालय उचित ग्राम पिपरा, प्रखंड-अमौर ,पूर्णिया (बिहार)

बालमंच जैसा कि नाम से ही पता चलता है कि बाल यानी हम जैसे बच्चों के लिए मंच। यहां हम जैसे बच्चों की कृतियां, आलेख, विशेष क्रियाकलाप आदि को प्रकाशित किया जाता है। इसी क्रम में मुझे भी मौका मिला। मुझे चित्रकारी का बड़ा शौक है। संपादक महोदया द्वारा मेरे कुछ चित्रकारियों एवं हस्तकलाओं को पिछले मासिक अंक में प्रकाशित किया गया। मैं यह स्वर्णिम अवसर पाकर बहुत प्रसन्न हुई। मेरे घर वालों ने भी खुशियां मनाई। मिठाई खिलाए गए| मुझे बालमंच पुस्तिका के उस संस्करण का प्रिंट आउट मेरे पापा ने निकाल कर रखा। मुझे उस दिन ऐसा महसूस हो रहा था कि "I am on the top of the world"।मैं संपादक महोदया एवं उनके समूह का आभार व्यक्त करना चाहती हूं कि उन्होंने मेरे प्रतिभा को पहचाना, उसे मौका दिया। मेरी कोशिश रहेगी कि मैं अपनी प्रतिभा में और मेहनत कर निखरती जाऊँ और बालमंच के प्रत्येक संस्करण में स्थान पाऊं।

सुझाव :- बालमंच प्रतिभाशाली बच्चों को प्रोत्साहित करने का एक बेहतरीन मंच है। परंतु मेरा एक सुझाव है कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ-साथ इसे प्रिंट मीडिया से भी प्रकाशित किया जाना चाहिए ।सधन्यवाद | :-श्रीनिका संदीप, कक्षा- 5, भागलपुर

प्रमुख दिवसें

तिथि	महत्वपूर्ण दिवस
1- मई	अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस
3-मई	प्रेस स्वतंत्रता दिवस
4-मई	कोल माइंस डे
मई (2nd Sunday)	मातृ दिवस
8-मई	विश्व रेडक्रॉस दिवस
9-मई	विजय दिवस विश्व प्रवासी पक्षी दिवस
11-मई	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस
12-मई	अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस
15-मई	विश्व परिवार दिवस
17-मई	विश्व दूरसंचार दिवस (सूचना समाज दिवस)
21-मई	आतंकवाद विरोधी दिवस
24-मई	राष्ट्रमंडल दिवस
31-मई	विश्व तंबाकू निषेध दिवस

रोचक तथ्य

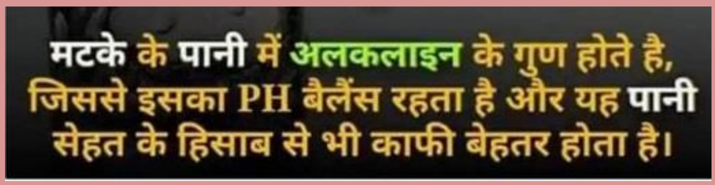

हिंदी ज्ञान

.... पिछले अंक का शेष

शब्द

अर्थ के आधार पर शब्दों का वर्गीकरण

अर्थ के आधार पर शब्द के दो भेद होते हैं-

1. सार्थक शब्द- जो शब्द किसी अर्थ का बोध करते हैं, उन्हें सार्थक शब्द कहते हैं, जैसे घर, पुस्तक, नगर, क्षेत्र आदि।
2. निरर्थक शब्द- जिन शब्दों से कोई अर्थ न निकले, उन्हें निरर्थक शब्द कहते हैं, रोटी-ओटी, खाना-वाना, ताला-वाला आदि।

उत्पत्ति या श्रोत के आधार पर शब्दों का वर्गीकरण

उत्पत्ति के आधार पर शब्द के चार भेद होते हैं-

1. तत्सम शब्द- ऐसे शब्द जिनकी उत्पत्ति संस्कृत भाषा में हुई ओर वे हिन्दी भाषा में बिना किसी परिवर्तन के प्रयोग में आने लगे, ऐसे शब्द तत्सम शब्द कहलाते हैं। जैसे-दुग्ध, पुष्प, दही, आम्र आदि।
2. तद्भव शब्द- ऐसे शब्द जिनकी उत्पत्ति संस्कृत भाषा से हुई थी लेकिन उनका रूप बदलकर हिन्दी में-में प्रयोग किये जाते है, तद्भव शब्द कहलाते हैं। दूध, फूल, दही, आम आदि|
3. देशज शब्द- जो शब्द देश के अलग-अलग हिस्सों से आए हैं, उन शब्दों को देशज शब्द कहा जाता है। ऐसे शब्द स्थानीय बोलियों से उत्पन्न होते हैं और उसके बाद हिन्दी में जुड़ जाते हैं। जैसे-लोटा, पगड़ी, झाड़ू, ठोकर, खिड़की आदि।
4. विदेशज शब्द- विदेशी भाषाओ से हिन्दी में ज्यो के त्यों (बिना किसी बदलाव के) प्रयोग किये जाते है, विदेशी शब्द कहलाते हैं। जैसे-स्कूल, डाक्टर, काग़ज, कर्फ़्यू, कारतूस, आदि| दो भिन्न-भिन्न भाषाओ के मेल से बने शब्दों के संकर शब्द कहते हैं। जैसे-लाठीचार्ज-लाठी (हिंदी) + चार्ज (अंगेजी)

समाप्त

आपकी बात आपकी जुबानी

बच्चों आपको बालमंच का ये अंक कैसा लगा हमें अवश्य बताएँ| आप हमें नीचे दिए गए किसी भी माध्यम email या whatsapp द्वारा सूचित कर सकते हैं|

email- balmanch.teachersofbihar@gmail.com

Whatsapp No. :- 6202839650

(Tripurari Roy)

धन्यवाद

उभरते सितारे

जिनको भी प्रशस्ति-पत्र मिल रहा है उनका लिस्ट इस लिंक पर उपलब्ध है:- https://www.teachersofbihar.org/award